श्रद्धेय डा॰ विश्वामित्र जी महाराज के मुखारविन्द से .....

श्रीरामशरणम्, हरिद्वार, 02 अप्रैल 2007 प्रातः 9.30 बजे

पूज्यपाद स्वामी सत्यानन्द जी महाराज के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर, मांगलिक अवसर पर देश विदेश में बसे स्वामी जी महाराज के परिवार के सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ। राम-राम जपने वाले हो, मेरे लिए सभी वन्दनीय। दूर बैठे, पास बैठे सभी जापकों के श्री चरणों में चरण वन्दना अर्ज़ करता हूँ। मेरा शत शत नमन स्वीकार कीजिएगा। शुभ कामनाएं, मंगल कामनाएं। परमेश्वर कृपा करें, आज का यह शुभ दिन सब के लिए शुभ, मंगल एवं कल्याणकारी हो।

साधक जनो ! पूज्य श्री बाबा के विषय में सब कुछ आप जानते ही हो। एक अति आकर्षक एवं अत्यन्त मनमोहक व्यक्तित्व। कहते हैं जो भी एक बार उन्हें देख लेता, तो उसे स्वामी जी महाराज को भुलाना कठिन था। पुराने साधकों ने, विशेषतया जो स्वामी जी महाराज के अन्तिम वर्षों में उनके सम्पर्क में आए, वे तो उनके बहुत कठोर स्वभाव को जानते हैं। नियमों के पक्के, अनुशासन में रहने वाले। ग़लती होती तो डांटने वाले। सबके सामने डांटने वाले इत्यादि-इत्यादि ।इससे पहले का व्यक्तित्व बहुत प्यारा व्यक्तित्व रहा है।

वह सदा मुस्कुराते रहते , सदा हंसते रहते और हंसाते रहते। बहुत मज़ाक भी किया करते। स्वयं खुश रहते औरों को भी खुश रखते।

स्वामी जी महाराज ने मिलने को कभी प्रोत्साहन नहीं दिया। वह किसी से मिलना नहीं चाहते थे, न हीं चाहते थे कि कोई उनसे मिले। राम नाम जपें, मेरा आपका नाता बस इतना ही पर्याप्त है।

साधक जनो ! बहुत गर्व है स्वामी जी महाराज के शिष्य एवं स्वामी जी महाराज के पौत्र शिष्य होने का, स्वामी जी महाराज के परिवार के सदस्य होने का। जितने भी आप बैठे हुए हैं सब की तरफ से कहता हूँ - इस से बढ कर ज़िन्दगी में हमारे लिए अधिक गर्व की बात नहीं हो सकती कि हम स्वामी जी महाराज के परिवार से हैं। आप थोड़ा इधर-उधर जाकर देखो तो आपको पता चले कि आप कितने ऊंचे कुल के हो-स्वामी जी महाराज के कुल के। यह कोई छोटा कुल नहीं है। ऐसा नहीं कि हमारा कुल अब बिल्कुल साफ ही है। हमारे कुल में भी कमियां है। पर फिर भी जो स्वामी जी महाराज के साथ पूर्णतया जुड़े हुए हैं, विशुद्ध रूप से जुड़े हुए है, उनके लिए तो बहुत गर्व की बात है कि हम स्वामी जी महाराज के हैं और उनके चरण चिह्नों पर चल रहे हैं।

स्वामी जी महाराज ! आप जी को कुछ देने की बजाए आप से हाथ जोड़ कर, झोली फैला कर भीख मांगते है। ऐसी ही कृपा हम पर बनाए रखिएगा। आपके श्री चरणों के चरण चिह्नों पर हम चलें। कभी किसी नियम का उल्लंघन न हो। कभी कहीं अनुशासनहीनता न हो। कान खींचना, थप्पड़ मारना, स्वामी जी महाराज ! ताकि हमारे से किसी भी प्रकार की कोई ग़लती न हो। We sincerely inform you कि हम committed हैं आपकी सेवा के लिए। आपके नेतृत्व में आपके चरण चिह्नों पर चलने के लिए, पूर्णतया committed हैं हम। स्वामी जी महाराज ! विश्वास कीजिएगा हमारे ऊपर। हमें संभाल कर रखिएगा। आज हम सब झोली फैला कर आपके जन्म दिवस पर आप जी से भीख मांगते हैं। कृपया सदा की तरह हमारी झोलियां भरते रहिएगा।